मूल्य 10.00 रूपये

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

पुनर्मूल्यांकन के आवेदन–पत्र

कार्यालय के उपयोग के लिये.....परीक्षा परिणाम घोषित.....

दिनांक.....द्वारा चालान क्रमांक.....अनुमति दी जावे।

रसीद क्रमांक.....

दिनांक.....

वरि. अधीक्षक/स.कुलसचिव/उप–कुलसचिव,

विश्वविद्यालय कार्यालय क्रमांक.....

में प्राप्त होने का दिनांक.....

प्राप्त करने वाले कर्मचारी के हस्ताक्षर

प्रति,
कुलसचिव,
जीवाजी विश्वविद्यालय,
ग्वालियर
महोदय,

निवेदन है कि मेरी निम्नलिखित विषय/प्रश्न–पत्र की उत्तर–पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन कराने का कष्ट करें।

परीक्षा एवं वर्ष	विषय	प्रश्न–पत्र	प्राप्तांक	पूर्णांक
1.				
2.				

आवश्यक विवरण निम्नानुसार है :–

1. परीक्षार्थी का नाम.....
2. परीक्षा.....
3. अनुक्रमांक..... 4. संस्थागत/असंस्थागत/भूतपूर्व.....
5. परीक्षा केन्द्र का नाम (जिससे उक्त परीक्षा दी) .....

   .....
6. परीक्षा परिणाम उत्तीर्ण/पूरक/अनुत्तीर्ण.....

   निर्धारित शुल्क रुपये.....शब्दों में.....

   (रुपये 250/– प्रति प्रश्न–पत्र के हिसाब से)

(P.T.O.)

7. इण्डियन पोस्टल आर्डर/बैंक ड्राफ्ट क्रमांक.....दिनांक.....

   विश्वविद्यालय रसीद क्रमांक.....दिनांक.....द्वारा

   जमा कर दिये हैं।

8. पत्र व्यवहार हेतु पूर्ण पता.....

   .....

9. (अ) मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरे द्वारा आवेदन–पत्र में दी गई उपरोक्त जानकारी सही है। आगे यह कि मैं उत्तर–पुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय नियमों का पालन करूंगा तथा पुनर्मूल्यांकन परिणाम चाहे वह मेरे पक्ष में हो अथवा विपक्ष में मुझे अन्तिम निर्णय पूर्ण रूप से मान्य होगा।

   (ब) पुनर्मूल्यांकन के सम्बन्ध में निर्धारित नियमों का मैंने भली प्रकार से अध्ययन कर लिया है।

   (स) मेरे द्वारा सम्बन्धित परीक्षा की मूल अंक सूची प्रमाणित प्रतिलिपि/फोटो स्टेट प्रति प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित कर संलग्न प्रस्तुत है।

   (द) पुनर्मूल्यांकन फार्म सम्बन्धित इंचार्ज से अग्रेषित कराना होगा। (प्राचार्य द्वारा सत्यापित अंकसूची संलग्न करें।)

   (इ) मेरे द्वारा पता भर दिया है।

दिनांक.....

भवदीय

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर.....

परीक्षार्थी का नाम.....

परीक्षार्थी के पिता का नाम.....

1. पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने वाले परीक्षार्थी इस सम्बन्ध में दिये नियमों का भली प्रकार अध्ययन कर लें।
2. जो परीक्षार्थी आगामी परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते हैं उन्हें पुनर्मूल्यांकन परिणाम की प्रतीक्षा नहीं करते हुए परीक्षा आवेदन–पत्र सम्मिलित कर देना चाहिये। आवेदन–पत्र विलम्ब से स्वीकार नहीं किये जावेंगे। यदि पुनर्मूल्यांकन परिणाम छात्र के हित में रहता है तो उसे यह विकल्प होगा कि वह पुनर्मूल्यांकन परिणाम में अंकों अथवा द्वितीय परीक्षा दोनों में से जो भी उसे लाभप्रद हो, मान्य कर सकेगा।
3. विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित कक्षाओं के परीक्षा परिणाम घोषित करने की तिथि से 15 दिवस के भीतर ही पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना से सम्बन्धित आवेदन–पत्र स्वीकार किए जावेंगे।
4. परीक्षार्थी केवल दो प्रश्न–पत्र का पुनर्मूल्यांकन करा सकते हैं।